चतुर्थ चरण, कार्यक्रम- 11

पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व

15-19 मार्च 2021 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में '**संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व**' विषय पर ग्यारहवीं पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 से 19 मार्च, 2021 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व के मूलभूत सम्प्रत्ययों से परिचित कराना और संस्कृत वाङ्मय में इन सम्प्रत्ययों की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में उनके शैक्षिक निहितार्थ एवं प्रासंगिकता के साथ सम्प्रत्ययात्मक समझ विकसित करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **प्रो. रूप किशोर शास्त्री** (कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, प्रबोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन सत्र, प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 139 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 120 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 120 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 98 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 22 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सकें। 98 प्रतिभागियों में भारत के 17 राज्यों से 76 प्रतिभागी एवं 02 केंद्र शासित प्रदेशों से 22 प्रतिभागी रहे। 17 राज्यों के प्रतिभागियों में जिसमें आंध्र प्रदेश से 05, असम से 01, बिहार से 06, गुजरात से 03, हरियाणा से 07, झारखंड से 02, कर्नाटक से 02, केरल से 01, महाराष्ट्र से 10, ओडिशा से 02, राजस्थान से 09, तमिलनाडु से 03, तेलंगाना से 02, त्रिपुरा 02, उत्तर प्रदेश से 13, उत्तराखंड से 06, पश्चिम बंगाल से 02 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों में चण्डीगढ़ से 01 दिल्ली से 21 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **08 विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - शैक्षिक प्रबन्धन, नेतृत्व कौशल, शैक्षणिक एवं परिस्थितिजन्य नेतृत्व, प्रभावी प्रबन्धन एवं नेतृत्व शैलियाँ, सौहार्दपूर्ण अधिगम संस्कृति निर्माण हेतु नेता, संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक नेतृत्व, विदुर नीति, कौटिल्य शास्त्र, श्रीमद्भगवद्गीता, वाल्मीकि रामायण एवं वैदिक साहित्य में प्रबन्धन और उपनिषदों में प्रबन्धन एवं नेतृत्व। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर **10 दत्तकार्य** प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **54 % प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **74%, 23%, 02% एवं 01%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **79% उत्कृष्ट, 17%, अति उत्तम 03% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा** (कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा. सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्ति पाठ के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।